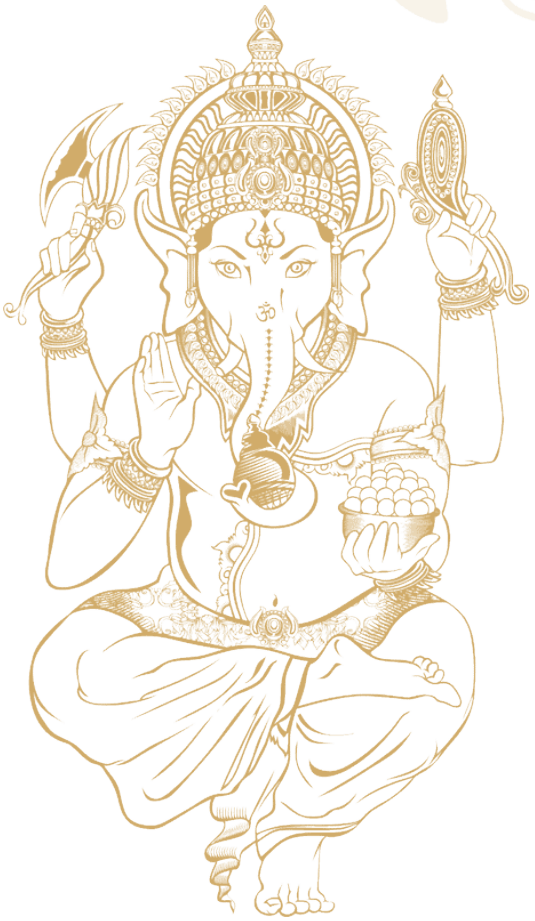

Arnav Kavitta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120938504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/08/1997	जन्म तिथि	28/06/2000
बुध-गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:00:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 50:29:22	जन्म समय(घटी)	32:05:01 घटी
India	देश	India
Noida	स्थान	Shamli
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	29:27:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:15	सूर्योदय	05:23:40
19:00:33	सूर्यास्त	19:24:22
23:49:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 6वर्ष 0मा 27दि	07:03:01	मिथु	लग्न	वृश्चि	28:17:45	सूर्य 5वर्ष 7मा 12दि
शुक्र	27:17:18	कर्क	सूर्य	मिथु	13:15:10	राहु
10/09/2010	25:14:07	वृश्चि	चंद्र	मेष	27:31:03	09/02/2023
10/09/2030	05:51:53	तुला	मंगल	मिथु	14:09:39	09/02/2041
शुक्र 10/01/2014	21:43:01	सिंह	बुध व	मिथु	25:07:22	राहु 22/10/2025
सूर्य 10/01/2015	22:37:06	मक व	गुरु	वृष	05:45:56	गुरु 17/03/2028
चन्द्र 10/09/2016	01:42:47	कन्या	शुक्र	मिथु	17:56:30	शनि 22/01/2031
मंगल 10/11/2017	26:24:38	मीन व	शनि	वृष	02:31:06	बुध 10/08/2033
राहु 10/11/2020	26:14:49	सिंह व	राहु व	कर्क	00:50:37	केतु 29/08/2034
गुरु 12/07/2023	26:14:49	कुंभ व	केतु व	मक	00:50:37	शुक्र 29/08/2037
शनि 10/09/2026	12:16:52	मक व	हर्ष व	मक	26:30:42	सूर्य 23/07/2038
बुध 11/07/2029	04:07:43	मक व	नेप व	मक	12:04:28	चन्द्र 22/01/2040
केतु 10/09/2030	09:00:17	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:59:15	मंगल 09/02/2041

लग्न-चलित

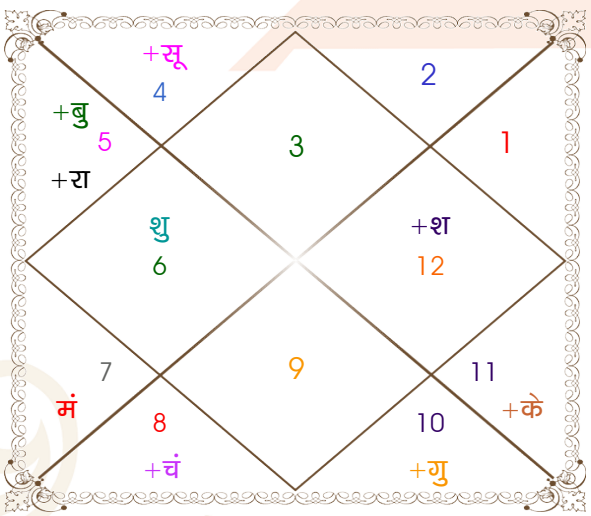

लग्न-चलित

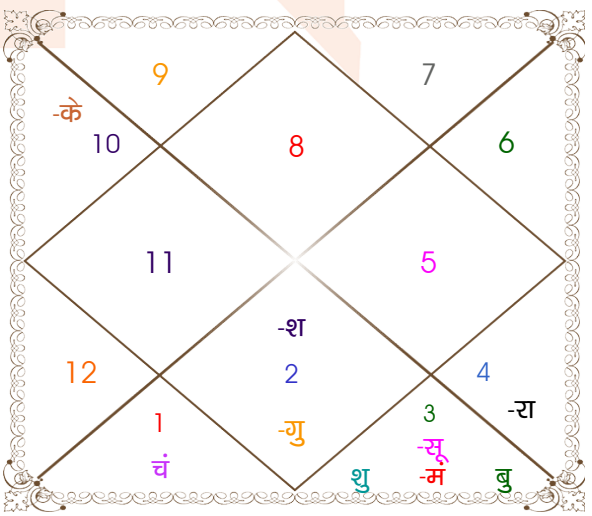

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Arnav का वर्ग मृग है तथा झंअपजजं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Arnav और झंअपजजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Arnav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

झंअपजजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Arnav कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Arnav तथा झंअपजजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।